नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में
गणेशपुर में मनाया मातृभाषा दिवस

वर्धा दि. 22 फरवरी 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की राष्ट्रीय

सेवा योजना इकाई की ओर से ग्राम गणेशपुर में आयोजित विशेष शिविर में 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आत्मभाष पत्रिका के कार्यकारी संपादक, पत्रकार प्रा. राजेंद्र मुंढे ने परस्पर संवाद की भाषाओं को बचाए रखे जाने पर विशेष बल दिया। उनका कहना था कि हाल का दौर भाषाओं के पतन का दौर है और ऐसे में अपनी मातृभाषा को बचाने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। संवाद की भाषाएं खत्म होने पर मनुष्य के परस्पर के साथ होने वाले व्यवहार पर संकट आ सकता है। राजेंद्र मुंढे ने संत गाडगे बाबा और राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज द्वारा ग्राम विकास के लिए किए गये कार्यों को याद करते हुए कहा कि दोनों संतों ने ग्राम के विकास के लिए बड़ा कार्य किया है। तुकडोजी की ग्रामगीता में ग्रामीण विकास का संपूर्ण खाका बताया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी विचार दृष्टि से विकास के पथ पर अग्रसर होना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियोंने अपनी-अपनी मातृभाषा में प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहकपुरे ने किया। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, शहनाज सिद्दीकी, स्वयंसेवक विद्यार्थी तथा गणेशपुर गांव के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में
गणेशपुर में मनाया मातृभाषा दिवस

वर्धा दि. 22 फरवरी 2016: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा येथील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या वतीने गणेशपूर येथे आयोजित विशेष शिबिरात 21 फेब्रुवारी रोजी मातृभाषा दिवस साजरा करण्यात आला. यावेळी मुख्य वक्ता म्हणून आत्मभान नियतकालिकाचे कार्यकारी संपादक, पत्रकार प्रा. राजेंद्र मुंढे यांनी परस्पर संवादांच्या भाषा टिकवून ठेवण्यावर विशेष व्याख्यान दिले. ते म्हणाले के सध्याचा काळ हा भाषांच्या पतनाचा काळ आहे, भाषांपुढे मोठे संकट उभे आहे. आपल्या मातृभाषा वाचविण्यासाठी प्रयत्न करण्याची गरज आहे. प्रा. मुंढे यांनी संत गाडगे बाबा आणि राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज यांनी ग्राम विकासासाठी केलेल्या कार्यांना उजाळा दिला. तुकडोजी महाराजांची ग्रामगीता ही ग्रामीण भागाच्या सर्वांगिण विकासाचा महत्वाचा दस्तावेज आहे असे ते म्हणाले. संत विचाराची कास धरून ग्राम विकास साधला जावा अशी अपेक्षा त्यांनी व्यक्त केली. कार्यक्रमाचे संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी केले तर आभार राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक राजेश लेहकपुरे यांनी मानले. यावेळी सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, शहनाज सिद्दीकी, स्वयंसेवक विद्यार्थी तथा गणेशपूर येथील नागरिक मोठया संख्येने हजर होते. सायंकाळी झालेल्या सांस्कृतिक कार्यक्रमात विद्यार्थ्यांनी विविध भाषांमधून आपले विचार मांडले.